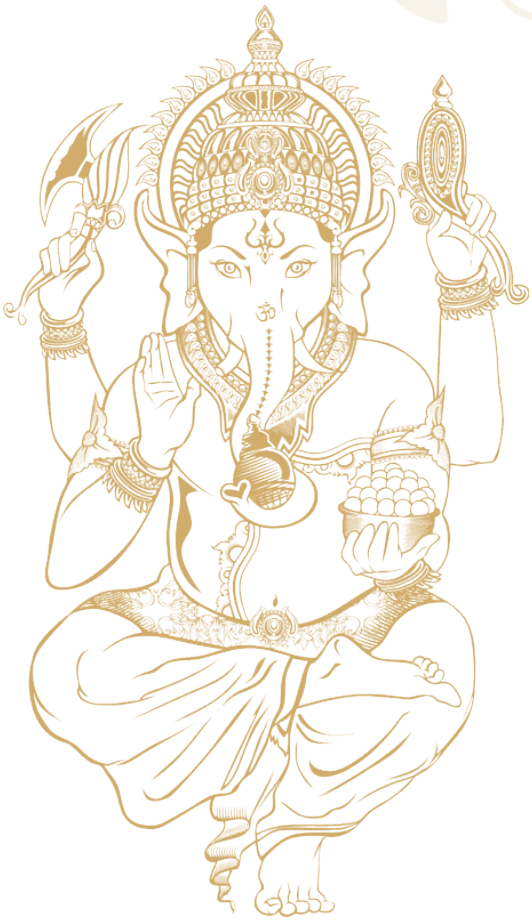

Ashutosh Nidhi

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119168201

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119168201 Date: 20/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/01/1992	जन्म तिथि	11/03/1996
शनिवार	दिन	सोमवार
घंटे 18:00:00	जन्म समय	09:30:00 घंटे
घटी 28:06:51	जन्म समय(घटी)	07:59:58 घटी
India	देश	India
Rajnandgaon	स्थान	Durg
21:05:00 उत्तर	अक्षांश	21:12:00 उत्तर
81:05:00 पूर्व	रेखांश	81:20:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:05:40	स्थानिक संस्कार	-00:04:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:45:15	सूर्योदय	06:17:02
17:41:29	सूर्यास्त	18:12:34
23:45:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:20
कर्क	लग्न	मेष
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	मंगल
मीन	राशि	वृश्चिक
गुरु	राशि-स्वामी	मंगल
उ०भाद्रपद	नक्षत्र	अनुराधा
शनि	नक्षत्र स्वामी	शनि
2	चरण	2
परिघ	योग	हर्षण
तैतिल	करण	वणिज
थ-थानसिंह	जन्म नामाक्षर	नी-निष्ठा
मकर	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
विप्र	वर्ण	विप्र
जलचर	वश्य	कीटक
गौ	योनि	मृग
मनुष्य	गण	देव
मध्य	नाड़ी	मध्य
सर्प	वर्ग	सर्प

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 11वर्ष 9मा 23दि		01:40:57	कर्क	लग्न	मेष	26:11:56	शनि 13वर्ष 8मा 24दि	
केतु		26:47:11	धनु	सूर्य	कुंभ	27:03:40	बुध	
03/11/2020		08:22:37	मीन	चंद्र	वृश्चि	07:01:45	04/12/2009	
04/11/2027		07:49:05	धनु	मंगल	कुंभ	25:39:20	04/12/2026	
केतु	01/04/2021	08:17:45	धनु	बुध	कुंभ	12:15:27	बुध	02/05/2012
शुक्र	01/06/2022	20:39:32	सिंह व	गुरु	धनु	19:32:17	केतु	29/04/2013
सूर्य	07/10/2022	19:25:36	वृश्चि	शुक्र	मेष	11:49:24	शुक्र	28/02/2016
चन्द्र	08/05/2023	13:18:22	मक	शनि	मीन	02:50:44	सूर्य	03/01/2017
मंगल	05/10/2023	16:01:09	धनु व	राहु	कन्या	23:32:31	चन्द्र	05/06/2018
राहु	22/10/2024	16:01:09	मिथु व	केतु	मीन	23:32:31	मंगल	02/06/2019
गुरु	28/09/2025	20:33:28	धनु	हर्ष	मक	09:24:35	राहु	19/12/2021
शनि	07/11/2026	22:51:52	धनु	नेप	मक	03:17:47	गुरु	26/03/2024
बुध	04/11/2027	28:37:49	तुला	प्लूटो व	वृश्चि	09:18:07	शनि	04/12/2026

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:45:02 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:20

लग्न-चलित

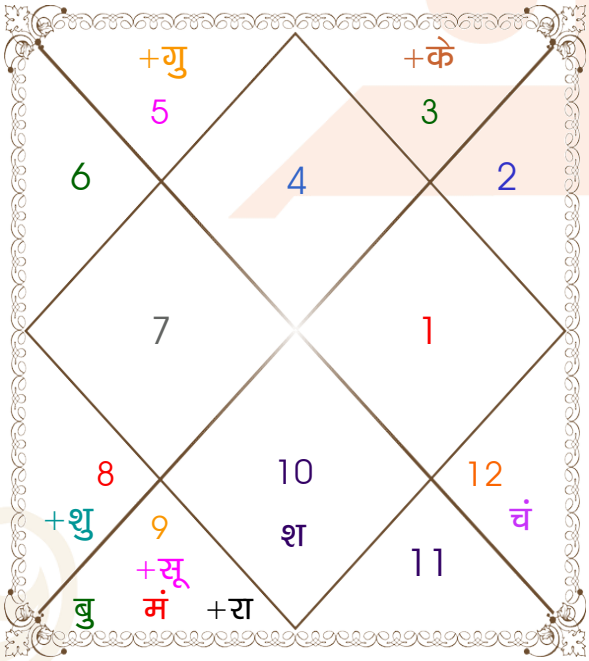

लग्न-चलित

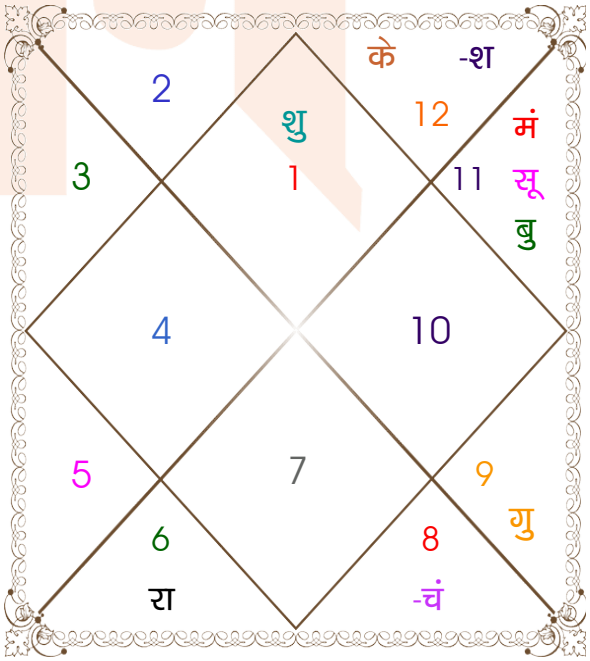

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गौ	मृग	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	18.00		

कुल : **18 / 36**

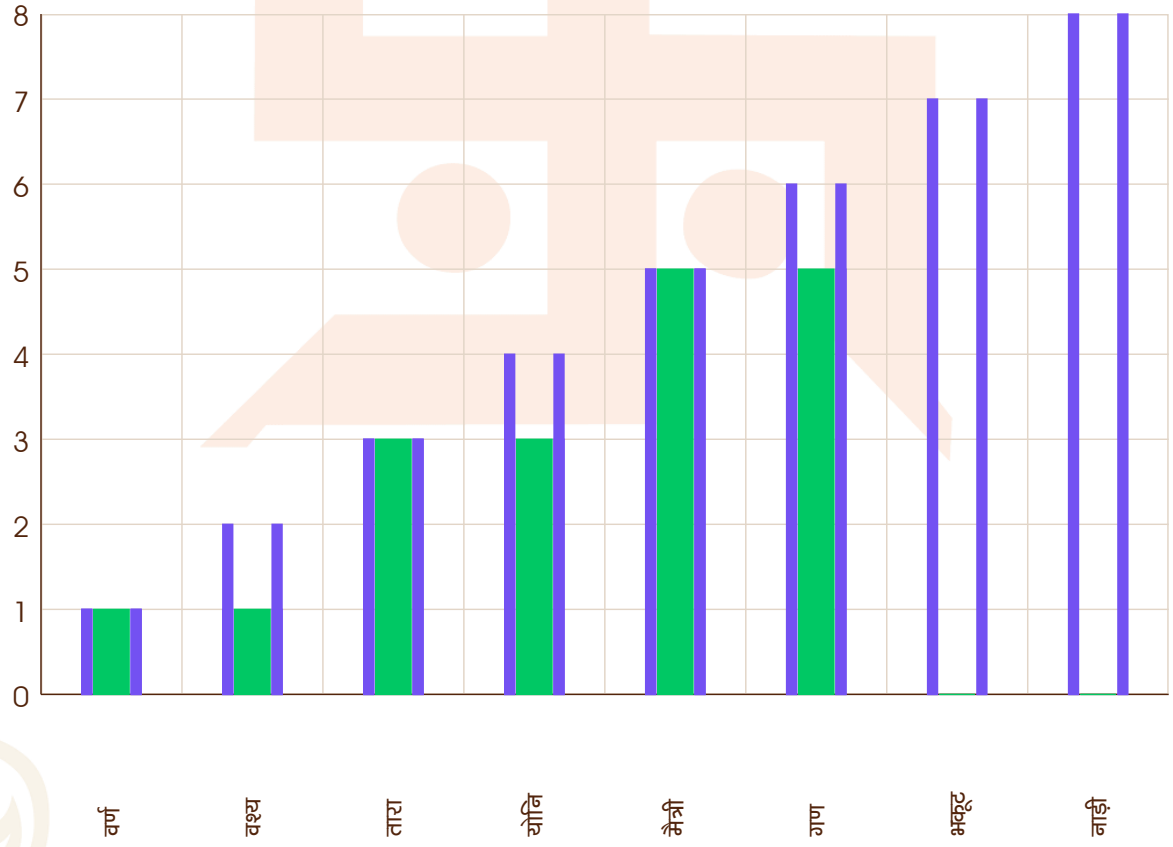

Mahamaya Jyotish Karyalaya
Astrologer Suman Acharya
Professor colony Raipur CG
Member All India Federation Of Astrologers Society
9827401035
astrosumanpal1981@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

ीनजवी का वर्ग सर्प है तथा छपकीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ीनजवी और छपकीप का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

ीनजवी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

छपकीप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ीनजवी तथा छपकीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

ीनजवी का वर्ण ब्राह्मण तथा छपकीप का वर्ण भी ब्राह्मण है अतः यह मिलान अति उत्तम है। जिसके कारण दोनों के गुण, स्वभाव, आदतें, पसन्द एवं नापसंद सभी एक-समान होंगी। दोनों एक-दूसरे के बिल्कुल अनुरूप एवं अनुकूल साबित होंगे तथा दोनों हमेशा सामाजिक, व्यावसायिक एवं पारिवारिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में एक-दूसरे की सहायता करेंगे।

वश्य

ीनजवी का वश्य जलचर है एवं छपकीप का वश्य कीट है। जिसके कारण यह मिलान औसत मिलान है। जलचर एवं कीट वश्य न तो एक-दूसरे के मित्र होते हैं और न ही शत्रु होते हैं। अर्थात दोनों एक-दूसरे के प्रति सम होते हैं। जलचर ीनजवी एवं कीट छपकीप के बीच वैवाहिक संबंध होने पर दोनों के बीच उदासीनता के साथ-साथ प्रेम का अभाव भी बना रहेगा जिससे जीवन बिल्कुल नीरस हो सकता है। अधिकतर समय दोनों एक-दूसरे के बीच समझौता करके अपना जीवन यापन करते रहेंगे किंतु समय-समय पर जैसे डंक मारना कीट का नैसर्गिक स्वभाव होता है। उसी प्रकार ीनजवी को हमेशा सावधान रहना पड़ेगा अन्यथा उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

तारा

ीनजवी की तारा जन्म तथा छपकीप की तारा भी जन्म है। अतः समान तारा होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों में अगाध प्रेम, सहयोग आपसी विश्वास तथा समझदारी की भावना बनी रहेगी। साथ ही दोनों एक-दूसरे के विश्वास पात्र बने रहेंगे तथा पूर्ण सक्षमता से मिलकर पारिवारिक दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। इनकी संतान बुद्धिमान, कर्त्तव्यपरायण तथा सफल होगी।

योनि

ीनजवी की योनि गौ है तथा छपकीप की योनि मृग है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से

उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ीनजवी एवं छपकीप दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि ीनजवी एवं छपकीप के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण ीनजवी एवं छपकीप जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

ीनजवी का गण मनुष्य तथा छपकीप का गण देव है। अतः यह मिलान उत्तम मिलान है। ऐसे मिलान में छपकीप सतोगुणी होंगी तथा उसका स्वभाव दयालु, मृदु, सौम्य तथा कोमल होगा है जो कि एक महिला का नैसर्गिक गुण है तथा अन्य सभी लोग भी इन्हीं गुणों की अपेक्षा करेंगे। जबकि दूसरी ओर ीनजवी व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगे। जोकि इस भौतिकवादी, विश्व के पुरुष का नैसर्गिक गुण होता है। इन गुणों एवं योग्यताओं के कारण ीनजवी अपनी पत्नी, बच्चों, परिवार एवं समाज की हर अपेक्षा को पूरा करने में सक्षम रहेंगे तथा सभी इनसे खुश भी रहेंगे।

भकूट

ीनजवी से छपकीप की राशि नवम भाव में स्थित है तथा छपकीप से ीनजवी की राशि पंचम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें नवम-पंचम का वैधव्य दोष लग रहा है। जिसके कारण लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं अनहोनी घटनाएं घट सकती हैं। ीनजवी की प्रवृत्ति लॉटरी, सट्टेबाजी, जुआ आदि में धन बर्बाद करने की हो सकती है। अपनी इन बुरी आदतों के कारण पति-पत्नी के बीच कोई प्रेम शेष नहीं रह पाता। फिर भी यह विवाह स्वीकार्य है यदि दोनों के राशि स्वामी एक-दूसरे के मित्र हैं।

नाड़ी

ीनजवी की नाड़ी मध्य है तथा छपकीप की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में ीनजवी एवं छपकीप का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

ीनजवी की जन्म राशि जलतत्व युक्त मीन तथा छपकीप की राशि भी जलतत्व युक्त वृश्चिक राशि है। अतः तत्वों में नैसर्गिक समानता होने के कारण इनमें स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। अतः मिलान उत्तम रहेगा।

ीनजवी की जन्म राशि का स्वामी बृहस्पति तथा छपकीप की जन्म राशि का स्वामी मंगल परस्पर मित्र राशियों में स्थित है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति उत्तम रहेगी इसके प्रभाव से ीनजवी और छपकीप का आपस में प्रेम, सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सुख तथा सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे। एक सच्चे मित्र की तरह गुणों की प्रशंसा तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे परस्पर तनाव तथा विश्वास के भाव में वृद्धि होगी तथा सुखी दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में इनको सफलता प्राप्त होगी।

ीनजवी एवं छपकीप की राशियां परस्पर नवम एवं पंचम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ फलों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर स्वार्थ एवं अंहकार के भाव में वृद्धि होगी जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का वातावरण बनेगा तथा दाम्पत्य जीवन में अनावश्यक समस्याएं तथा परेशानियां उत्पन्न होंगी। अतः यदि ीनजवी और छपकीप परस्पर सामंजस्य की प्रवृति तथा बुद्धिमता से कार्य लें तो उपरोक्त दुष्प्रभावों में न्यूनता हो सकती है तथा जीवन में शांति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करने में दोनों समर्थ हो सकते हैं।

ीनजवी का वश्य जलचर तथा छपकीप का वश्य कीट है। जलचर एवं कीट के मध्य नैसर्गिक मित्रता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी एक ही होंगी। फलतः काम संबधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ होंगे जिससे वैवाहिक जीवन सुख शांति एवं प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

ीनजवी एवं छपकीप दोनों का वर्ण ब्राहमण है। अतः इनकी कार्य क्षमता समान रहेगी तथा शैक्षणिक, धार्मिक तथा अन्य सत्कार्यो को करने में तत्पर होंगे फलतः इनकी कार्य क्षेत्र की स्थिति सुदृढ़ रहेगी।

धन

ीनजवी और छपकीप का जन्म एक ही तारा 'जनम' में हुआ है। अतः इसके शुभ प्रभाव से इनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे। साथ ही भकूट एवं मंगल का प्रभाव भी आर्थिक स्थिति पर सामान्य ही रहेगा। अतः अपने वर्तमान स्रोतों से परिश्रम पूर्वक धनऐश्वर्य की प्राप्ति होती रहेगी जिससे लाभ मार्ग

सामान्यतया प्रश्स्त होंगे तथा आर्थिक स्थिति से ीनजवी और छपकीप सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

ीनजवी को पैतृक सम्पति तथा जायदाद की प्राप्ति होगी। अतः आजीवन वे धन धान्य से युक्त रहेंगे तथा अपनी प्रतिभा, योग्यता एवं परिश्रम से उसमें उतरोत्तर वृद्धि करने में समर्थ होंगे । इस प्रकार भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना समय आनंद पूर्वक व्यतीत करेंगे।

स्वास्थ्य

ीनजवी और छपकीप दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे ीनजवी और छपकीप दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से ीनजवी को धातु संबंधी तथा छपकीप को मासिक धर्म संबधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ीनजवी और छपकीप का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ीनजवी और छपकीप के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में छपकीप के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन छपकीप को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में छपकीप को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ीनजवी और छपकीप सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ीनजवी और छपकीप का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

छपकीप के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद छपकीप अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से छपकीप पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि छपकीप अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

ीनजवी की सास से संबधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर ीनजवी सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन ीनजवी ससुर के साथ मधुर संबधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का ीनजवी के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।